प्रश्न पेपर २७ — मार्क्स १००

हैम संस्कृत प्रवेशिका पाठ १ थी ५२

प्रश्न. १ नीचे ना प्रश्नों ना जवाब लखो। (कोई पण ७) २१ मार्क्स

(१) आ बुक ना नाम नी सार्थकता जणावी अघुट् अघोष तथा शिट् त्रणे य संज्ञा मां आवता व्यञ्जन लखो।

(२) अन्तःस्था, पुरूषबोधक, विकरण प्रत्यय, धातु तथा पद नी सुस्पष्ट व्याख्या लखो।

(३) म् नो नित्य अनुस्वार क्यारे थाय। दृष्टांत आपी समझावो अने म् पछी कया वर्ण आवे तो न् थाय ते जणावो।

(४) अ नो आ तथा अ नो लोप क्यारे थाय। ते जणावी गुण कमां अने केवा स्वर नो थाय।

(५) उपसर्ग अेटले शुं। स्वरान्त उपसर्ग जणावी उपसर्ग ना कार्य सदृष्टांत जणावो।

(६) कई-कई विभक्ति कया अर्थ मां थाय छे। ते जणावी सती सप्तमी नो प्रयोग क्यारे थाय।

(७) कर्तरि अने कर्मणि प्रयोग नो तफावत लखो।

(८) कृदन्त अेटले शुं। तेना प्रकार जणावी कया-२ प्रत्यय लागे छे ते जणावी कृदन्त नु फल जणावो।

प्रश्न २ (अ) नीचे ना शब्दों ना लिंग साथे संस्कृत शब्दो लखो (कोई पण १०) ७½ मार्क्स

(१) स्त्री (२) उपाय (३) निष्फल (४) घउं (५) वरसाद (६) नोकर (७) खेतर (८) तल (९) सूर्य (१०) वृक्ष (११) कल्याण

(ब) नीचे आपेल अर्थ ना ग. प. जणावी धातुओ जणावो (कोई पण १०) ७½ मार्क्स

(१) पोषवुं (२) उखेडवु (३) निष्फल थवु (४) फेलावुं (५) सुकावु (६) शरणे जवुं (७) वधवुं (८) समर्थ थवु (९) झरवु (१०) बालवुं (११) संभालवुं

प्रश्न 3. नीचे ना रूपों नी सुस्पष्ट साधनिका करी अर्थ जणावों (गमे ते 3) १२ मार्क्स

(१) ओज्जयामि (२) व्युदाट: (३) उद्दियते (४) निरीक्ष्यतु

प्रश्न ५.(अ) नीचे ना मांग्या प्रमाणे ना रूपों लखो. (कर्तरि कर्मणि) गमे ते ५ १२ मार्क्स

(१) अस् ह्यस्तन - आज्ञार्थ - अे.व. ब.व.

(२) आ + उद् - प. पद. आज्ञार्थ ह्यस्तन अे.व.

(३) अनु + रुध् - वर्तमान - ह्यस्तन - बी. पु.

(४) वि + आ + कृ - वर्तमान - विध्यर्थ . त्री. पु.

(५) ईक्ष् - चोरे काल - मात्र कर्तरि - १ पु.

(ब) नीचे ना शब्दों ना मांग्या प्रमाणे रूपो लखो. (गमे ते 4) 12 मार्क्स

(1) विद्युत – 1, 3, 4, 7, विभक्ति (2) अस्मद् – सातेसात वि.ना ए.व

(3) शक्ति – 1, 4, 5, वि. (4) अम्बु – ए.व. (5) सरयू - 2, 4, 6, 8 वि.

(स) खाली जग्या पूरो । 6 मार्क्स

(1) ________ कृदन्त अव्ययी भूतकृदन्त केहवाय छे. केमके तेना ________ थता नथी

(2) किम् सर्वनाम पुलिंग अनिश्चितार्थ सप्तमी ए.व.मां ________ रूप थाय छे.

(3) जे वस्तु लेवानी होय तेने ________ अव्यय ना योग मां ________ विभक्ति थाय छे.

(4) स् प्रत्यय पर छता ________ अने ________ ना त् नो स् थाय छे.

(5) ________ अर्थवाला नाम साथे जोड़ायेला नाम ने ________ विभक्ति थाय छे.

प्रश्न. 5 (अ) नीचे ना वाक्यो नु संस्कृत संधि साथे करो (गमे ते 3) - 10 मार्क्स

(1) राजाओ प्रधानो ने कह्युं के तमो त्यां जाओ अने त्यांथी औषधो लावीने आ महात्मा नी सेवा करो ।

(2) वीतराग प्रभु ना गुणो ने जाणीने कया जीवो आश्चर्य न पामे ! केमके ते गुणों अन्य क्यांय होता नथी. मात्र प्रभु ना आत्मामां ज शोभा ने पामे छे.

(3) अमे प्रधमाना द्वारा पाठो भण्या, परीक्षा पण आपी, हवे मार्क्स (गुणांक) नी आशा राखिये छीये ।

(4) कोईक गाममांथी आवेल कोईक मित्रों वडे आ राजा नु अपमान करायुं ।

(ब) नीचे ना वाक्यों ने संधिमुक्त करी अर्थ लखो । (गमे ते 3) मार्क्स 10

(1) भवति भवतो भवन्ति । (भू ना त्रीजा पु. ना रूपों न समझवा)

(2) रामेण गतया सीतयाकाश आश्चर्यमैक्ष्यत: ।

(3) अरक्षच्छ्रमणो विनयेनाचारधर्मम्

(4) का: का बाला: पर्यैक्ष्यन्त त्वयाद्यैतस्यां पाठशालायाम् ।